

खबर संक्षेप

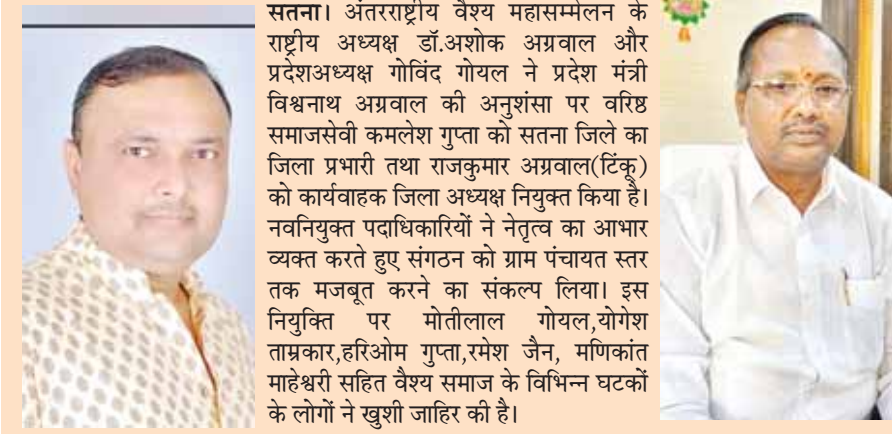
झाड़ियों में मिला तड़पता नवजात, डायल 112 की टीम ने बचाई जान

सतना। चित्रकूट के अक्षय वाटिका के पास मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहाँ झाड़ियों में कपड़े में लिपटा हुआ एक लावारिस नवजात शिशु मिला। बच्चा चींटियों और कीड़ों के बीच असहाय स्थिति में तड़प रहा था। स्थानीय लोगों की नजर जब झाड़ियों में पड़े इस नवजात पर पड़ी, तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस आपातकालीन सेवा डायल 112 को दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम बिना किसी देरी के मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए बच्चे को झाड़ियों और कीड़ी के बीच से सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद नवजात को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों की टीम ने उसका प्राथमिक उपचार किया। नवजात की नाजुक हालत को देखते हुए और बेहतर देखभाल के लिए उसे सतना जिला अस्पताल (एसएससीयू) रेफर कर दिया गया है। अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में बच्चे का इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। वहीं, पुलिस ने मामला दर्ज कर यह पता लगाने का प्रयास शुरू कर दिया है कि इस नवजात को झाड़ियों में किसने और किन परिस्थितियों में छोड़ा था।

स्वतंत्रता दिवस पर शुष्क दिवस रहेगा

सतना। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को सतना जिले में पूर्णतः शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सतना डॉ.सतीश कुमार एस द्वारा जारी आदेशानुसार घोषित शुष्क दिवस अवधि में सतना जिले की समस्त देशी,विदेशी मदिरा दुकानें,वाईन की फुटकर बिक्री (रिटेल आउटलेट), होटल बार (एफएल-3), विदेशी विनिर्माण इकाई (एफएल-9), देशी मद्य भाण्डागार इकाईयां पूर्णतः बंद रखी जायेंगी। मदिरा दुकानों पर बिक्री पूर्णतः निषेध रहेगी एवं संपूर्ण जिले में मदिरा का परिवहन निषिद्ध रहेगा।

कमलेश बने सतना प्रभारी, राजकुमार को मिली अध्यक्ष की जिम्मेदारी



नगर निरीक्षक से एसडीओपी बने अनिमेष द्विवेदी को शुभकामनाएं

मैहर। नगर निरीक्षक से पदोन्नत होकर एसडीओपी (अनुविभागीय पुलिस अधिकारी) बने अनिमेष द्विवेदी को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। इस अवसर पर मैहर जिला पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह एवं एडिशनल एसपी चंचल नागर ने अनिमेष द्विवेदी से मुलाकात कर उन्हें कंधे पर सितारे लगाकर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। पुलिस अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, कर्तव्यपरायणता एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। पदोन्नति के बाद पुलिस विभाग में भी खुशी का माहौल रहा।



ग्राम पंचायत अकहा में धूमधाम से निकली हर घर तिरंगा रैली



सतना। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हरघर तिरंगा अभियान के तहत जनपद पंचायत उचेहरा की ग्राम पंचायत अकहा में मंगलवार को तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। तिरंगा रैली पंचायत भवन परिसर से शुरू होकर पूरे गांव में निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और युवा हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाते हुए चल रहे थे। पंचायत के बुजुर्गों से लेकर युवा और महिलाएं भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर शामिल हुईं।

सतना जिले के गांव-गांव में गूंजा देशभक्ति का संदेश, निकली हर घर तिरंगा रैली

सतना। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा एवं रैलियों का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायतों में निकली इन तिरंगा यात्राओं में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले ग्रामीणों ने राष्ट्र भक्ति और एकता का संदेश दिया। ग्राम पंचायत दुरेहा में ग्रामीणों द्वारा उत्साह के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर सहभागिता की। पूरे मार्ग में देशभक्ति का माहौल दिखाई दिया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत अबेर में भी हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा आयोजित की गई। ग्रामीणों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए यात्रा में भाग लिया और स्वतंत्रता



दिवस को उत्साहपूर्वक मनाने का संदेश दिया।बेला में आयोजित तिरंगा रैली में भी ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। तिरंगा हाथों में लेकर निकले ग्रामीणों ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। रैली के दौरान वातावरण देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। ग्राम पंचायत जिंगनहट में

पंचायत अकहा में हर घर तिरंगा रैली धूमधाम से निकाली गई। रैली में ग्रामीणों का देशभक्ति का जोश देखते ही बना। हाथों में तिरंगा लेकर ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ कथर रैली में सहभागिता की। रैली के माध्यम से राष्ट्र के प्रति सम्मान, एकता और भाईचारे का संदेश दिया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत तुषावा में भी तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक रैली में भाग लेते हुए राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इन सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित तिरंगा यात्राओं ने गांव-गांव में देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया। ग्रामीणों की सहभागिता से 'हर घर तिरंगा' अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला। तिरंगा यात्राओं के माध्यम से नागरिकों को स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संदेश दिया गया।



मानिकपुर में ई-रिक्शा पलटने से 11 लोग घायल, 3 गंभीर मरीज जिला अस्पताल रेफर



सतना। मानिकपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कवी-मानिकपुर मार्ग पर काली घाटी के पास एक बड़ा हादसा हो गया। यहाँ सवारियों से भरा एक ई-

मानिकपुर से आधार कार्ड का कार्य करवाकर अपने गांव वापस लौट रहे थे। यह हादसा दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उस समय हुआ जब ई-रिक्शा मानिकपुर से गाढ़ा कछार की ओर जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजीत कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत दो एंबुलेंस बुलाकर सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घायलों में तीन लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायलों में दुधअनिया निवासी कृष्णा देवी (24), उनकी 7 वर्षीय बेटी अंशिका और गाढ़ा कछार निवासी रानी देवी(40) शामिल हैं। इन तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों में राधा देवी (8), प्रांशु(7), साधना देवी(15), चुनकी देवी(37), उज्जिया, मीरा देवी और सुमित(10) शामिल हैं। स्थानीय निवासी श्रीपाल ने बताया कि ई-रिक्शा में सवार बच्चे अपने परिजनों के साथ पहचान पत्र संबंधी कार्य से मानिकपुर आए थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।



पन्नीलाल चौक में मातृशक्तियों ने की भोले बाबा की भव्य महाआरती

सतना। सावन के दूसरे सोमवार पर पन्नीलाल चौक व्यापारी संघ द्वारा भोले बाबा की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर की मातृशक्तियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया, जिससे पूरा परिसर 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। समारोह में जेल अधीक्षक लीना कोस्टा, पूर्व महापौर ममता पांडेय और जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार सहित कई गणमान्य महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान मंदिर की सेवादारों विभा पांडेय, विधी पांडेय और पुजारी जी को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। अंत में व्यापारी संघ ने सभी उपस्थित मातृशक्तियों का आभार जताते हुए उन्हें अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया।

अवैध मीट-मछली दुकानों पर नगर निगम पुलिस की कार्रवाई, 45 दुकानें सील

सतना। शहर में नियम विरुद्ध संचालित मीट, मटन, मुर्गा एवं मछली की दुकानों के विरुद्ध नगरनिगम एवं पुलिस को संयुक्त टीम द्वारा व्यापक कार्रवाई की गई। व्या्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में चलाए गए अभियान के दौरान कुल 45 दुकानों को बंद कराकर सीलिंग एवं तालाबंदी की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान धवारी चौराहा, सिविल लाइन चौराहा, भैंसाखाना, सिंधी कैप सहित शहर के अन्य चिन्हित क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। एसडीएम राहुल सिलाडीया एवं उपायुक्त सत्यम मिश्रा के नेतृत्व में नगर निगम एवं पुलिस बल ने संयुक्त रूप से मौके पर कार्रवाई की। अधिकारियों की



निगरानी में पूरी कार्रवाई व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। अभियान में नगर निगम में स्वास्थ्य अधिकारी अरविन्द प्रताप सिंह

सहायक स्वास्थ्य अधिकारी राजू साकेत एवं मो.लतीफ के साथ स्वच्छता निरीक्षक एवं स्वास्थ्य विभाग एवं अतिक्रमण विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर सतीश कुमार ने सुनी 152 आवेदकों की समस्यायें



सतना। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 152 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, सिंचाई, बिजली, धनी, सड़क

निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अमर कलेक्टर विकास सिंह द्वारा भी आवेदकों को समस्याएं सुनी गईं।

शहीद पदमधर सिंह महाविद्यालय में निकली भव्य तिरंगा रैली

सतना। देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद पदमधर सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सतना में उत्साह और उमंग के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने तिरंगा रैली निकालकर राष्ट्र भक्ति का संदेश दिया तथा इसके बाद विशाल मानव श्रृंखला बनाकर राष्ट्रीय एकता और अनुशासन का परिचय दिया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एस. गुप्ता के निर्देशन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की जिला संगठक डॉ. क्रांति मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन में महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, प्राध्यापकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय परिसर से भव्य तिरंगा रैली निकाली गई।

ख़बर संक्षेप

शासकीय महाविद्यालय गुनौर में समस्याओं को लेकर कल एनएसयूआई निकालेगी विशाल छात्र अधिकार बाइक रैली



गुनौर। शासकीय महाविद्यालय गुनौर में लंबे समय से व्याप्त बुनियादी समस्याओं, नियमित कक्षाएं न लगने, प्राध्यापकों की भारी कमी और छात्राओं की सुरक्षा जैसे अति-महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) उच्च आंदोलन के मूड में है। अनुज बुंदेला गुनौर इकाई द्वारा कल यानी 12 अगस्त 2026 को एक विशाल विरोध प्रदर्शन और छात्र अधिकार बाइक रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान माननीय जिला कलेक्टर महोदय (पन्ना) के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। अनुज बुंदेला द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि दोपहर 2 बजे से शुरू होगी रैली जिस विशाल बाइक रैली को रूपरेखा और मार्ग निर्धारित कर दिया गया है। ताड़श और समग्र 12 अगस्त 2026, दोपहर 2:00 बजे से।

प्रारंभिक स्थल- शासकीय महाविद्यालय गुनौर कैम्पस से तहसील तक। प्रशासन से सहयोग की अपील एनएसयूआई के पदाधिकारी कार्यकर्ता अनुज बुंदेला (जिला पन्ना / गुनौर इकाई) द्वारा इस संबंध में माननीय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुविभाग गुनौर और थाना प्रभारी महोदय को सूचना पत्र सौंप दिया गया है। संगठन का कहना है कि इस छात्र अधिकार बाइक रैली में गुनौर क्षेत्र के सैकड़ों छात्र और एक के पदाधिकारी पूर्णतः शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से सम्मिलित होंगे। छात्र नेताओं ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से काबू-व्यवस्था, सुरक्षा यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु उचित निर्देश जारी करने और सहयोग की अपेक्षा की है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि छात्र हितों की रक्षा में ठेक सदैव प्रतिबद्ध है।

आरोपी को 6 माह का कारावास एवं जुर्माना

पन्ना। एक्सीडेंट कारित करने वाले ट्रक चालक को 06 माह का कारावास एवं अर्थदण्ड से दंडित किया गया। भूपेन्द्र सिंह, व्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जिला पन्ना, की न्यायालय ने आरोपी रामबरन सिंह राठौर को 06 माह एवं 01 माह का कारावास तथा अर्थदण्ड से दंडित किया। शासन की ओर से पैरवी श्री अमन चौबे, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा की गयी। अभियोजन संचालनालय पन्ना के मीडिया प्रभारी/सहा.जि.लोक अभि.अधि. मानवेन्द्र सिंह के बतारो अनुसार घटना संक्षेप में इस प्रकार है कि, दिनांक 05.05.2026 को दोपहर 04 बजे आहत लल्ला उर्फ अमित अपने घर के सामने ग्राम विष्णु मानिकपुर में खेल रहा था। तभी आरोपी रामबरन सिंह राठौर ट्रक एमपी 07 जीए 3068 को सतना तरफ से तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक खतरनाक तरीके से चलाता हुआ आया और आहत लल्ला उर्फ अमित को टक्कर मारते हुए पवई की ओर चला गया। उक्त टक्कर से लल्ला को गंभीर चोट आई। फरियादी द्वारा उक्त रिपोर्ट के आधार पर थाना सलेहा में अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। बाद विवेचना माननीय न्यायालय में अभियुक्त के विरुद्ध अभियोग-पत्र प्रस्तुत किया गया। अभियोजन द्वारा साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लेखबद्ध कराकर न्यायालय के समक्ष आरोपी रामबरन सिंह राठौर पिता फौजदार सिंह ईशराठौर निवासी माधवी नगर, ग्वालियर म.प्र. के विरुद्ध अपराध की संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी के कृत्य को गंभीरतम श्रेणी का मानते हुये कठोर से कठोरतम दंड से दंडित किया जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्कों एवं व्यापिक दृष्टीको से सहमत होते हुए माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी रामबरन सिंह राठौर को करवा ए कारावास एवं जुर्माना की सजा से दंडित किया है।

नैना किचेन का भारतीय व्यापार महोत्सव में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

पन्ना। पन्ना जिले की नैना किचेन प्रा.लि. का चयन मध्यप्रदेश की 9 वयवित एमएसएमई में हुआ है। कंपनी 12 से 15 अगस्त 2026 तक भारत मंडप, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, पन्ना द्वारा जिले के सुष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मंचों से जोड़ने, बाजार विस्तार, निर्यात संभावनाओं तथा उत्पादों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पन्ना की कंपनी द्वारा इस अवसर पर अपने प्रमुख बांडस के उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। संस्थापक एवं निदेशक राजकमल शर्मा ने कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव में शामिल होना पन्ना जिले के लिए गौरव का विषय है। इससे पन्ना के स्थानीय संसाधनों, नवाचार एवं उद्यमशीलता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिलेगी।

सेना की तर्ज पर वनभूमि की सुरक्षा पर विभाग के जिम्मेदार अतिक्रमण से मुक्त कराने में सफलता की पायदान पर विभाग की कार्यप्रणाली का राज



जिले में बात करें तो वन भूमि ही अब शेष बची हुई है। राजस्व भूमि की गौचर भूमि तक अतिक्रमण की चपेट में हर गांव-गांव में इसलिए अब वनभूमि की ओर लोगों की नजर। जमीन पर अतिक्रमण को लेकर पर यहां दक्षिण वन मण्डल पन्ना जो वर्तमान में समाज के हित में तथा शिक्षा हो या पोषण के हालात वनभूमि की सुरक्षा के साथ-साथ इनकी कार्यप्रणाली लोगों के विकास के हित में तभी तो वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने में भी सफलता विभाग की कार्यप्रणाली का परिणाम।

पन्ना। निष्चितौर पर जिस तरह से देश की सीमा की सुरक्षा को लेकर बी.एस.एफ. के जवानों को सतत नजर बनाकर अपनी देष की जमीन की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ता है इसी तरह वर्तमान समय में वनभूमि की सुरक्षा भी अतिक्रमणकारियों



से करने को लेकर वन अमले को सतत अपने कर्तव्य व दायित्व निर्वाहन को लेकर कार्य करना पड़ रहा है। पर काबिलेतारीफ तो यह है कि जहां पिछले कई वर्षों में बड़े विवाद भी वनभूमि से अतिक्रमण मुक्त कराने में सुर्खियां बनते थे आज हालात बदले समाज में दक्षिण वन मण्डल की कार्यप्रणाली जमीनी स्तर तक समाज के हित में सतत कहीं न कहीं जानी गई है। चाहे वह हमारे देश के भावी भविष्य की बात हो या छात्र-छात्राओं के बीच में भी वन अमले के द्वारा पहुंचकर अपनी भूमिका का निर्वाहन किया गया। या फिर जीवन की सुरक्षा को लेकर भी जैसे सर्पदंश से इस मौसम में या इस समय बारिश के दौरान अधिकतर मौते असमायिक होती है। लेकिन सर्पदंश से असमायिक कालकवलित होने से बचाने के लिए जागरूकता अभियान कहें या मच्छरदानी का वितरण या टाच के उपयोग की भूमिका को लेकर हो वन अमल के द्वारा लोगों को प्रेरणा दी गई। जिससे कहीं न कहीं समाज में इनकी भूमिका बेहतर साबित हुई। तभी तो आज वन भूमि मुक्त कराने में विवाद कोसो दूर जमीन भी सुरक्षित कराई जा रही है। यह अलग बात है कि जमीनी स्तर पर वन अमले को सजग व समन्वय के साथ कार्यप्रणाली तथा चौकसी को लेकर जरूर माना जा रहा है। पर वन भूमि सतत अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराई जा रही है। शाहनगर रेंज व महेन्द्र रेंज में वन भूमि अतिक्रमण कारियों से मुक्त कराई गई। मोहनद्रा वन परिक्षेत्र अंतर्गत बीट मोतीडोल के कक्ष 1190 में दिनांक 11 अगस्त 2026 को वन भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई।



लगभग 5 हेक्टेयर अतिक्रमित क्षेत्र में ग्राम वन समिति मोतीडोल के सदस्यों के सहयोग से कार्रवाई करते हुए लगभग 4 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान परिक्षेत्र सहायक मोतीडोल भानुप्रताप सिंह, बीट गाई मोतीडोल अरविंद विश्वकर्मा, बीट गाई बनोली जितेंद्र सिंह, बीट गाई फतेहपुर अजय प्रताप सिंह, बीट गाई टिकरिया अमित कोरी सहित ग्राम वन समिति के सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे। इसी क्रम में दक्षिण वन मण्डल अंतर्गत शाहनगर वन परिक्षेत्र अंतर्गत बीट लमतारा के कक्ष 959 में वन भूमि पर अतिक्रमण की रोकथाम एवं हटाने के लिए शांतिपूर्ण कार्रवाई की गई। स्थानीय ग्रामीणों को समझाइश उपरांत एवं उनके सहयोग से लगभग 5 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिक्रमण निरोधी खंती का निर्माण कराया गया। इस क्षेत्र में 2 वनाधिकार पत्रधारकों को कुल 3.95 हेक्टेयर भूमि पर प्राप्त वनाधिकार को यथावत सुरक्षित रखते हुए लगभग 5 हेक्टेयर अतिरिक्त वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। शेष अतिक्रमण पर भी सीमाओं की स्पष्टता के उपरांत आगामी दिनों में कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान परिक्षेत्र सहायक शाहनगर आर.पी. पटेल, वनपाल ओमप्रकाश द्विवेदी, बीट गाई लमतारा अक्षत त्यागी तथा वनरक्षक राहुल जैन, शिव प्रताप सिंह, कृष्ण कुमार गुप्ता, दुर्गा सिंह एवं रचना जादौन उपस्थित रहे। वन विभाग द्वारा स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग एवं संवाद के माध्यम से वन भूमि की सुरक्षा और अतिक्रमण की रोकथाम के प्रयास निरंतर जारी हैं।

जिस तरह से शिक्षा विभाग में शिक्षकों की ऑनलाईन समय को ध्यान में रखकर उपस्थिति अनिवार्य की गई क्या अन्य विभागों में भी यह प्रक्रिया लागू की जायेगी



पन्ना। मध्यप्रदेश सरकार जो जनहित को ध्यान में रखकर शासन की कार्यप्रणाली क्रियान्वयन के रूप में सामने आ रही है उदाहरण के तौर पर देश के भावी भविष्य के निर्माण को लेकर शिक्षकों की ऑनलाईन उपस्थिति विद्यालयों में जिस तरह से की गई क्या अन्य विभागों में भी जनहित को ध्यान में रखकर इसी तरह ऑनलाईन उपस्थिति सेवाओं

को लेकर लागू की जायेंगी। सरकार के द्वारा कर्मचारियों से किस तरह से सेवायें लेने के लिए जनहित को ध्यान में रखकर सतत काम किया जा रहा है। जिस तरह से शिक्षा विभाग में शिक्षकों की उपस्थिति विद्यालय में पहुंचने के लिए निर्धारित की गई वहीं समय का कड़ाई से रखाल रखा गया। यह हमारे देश की भावी भविष्य के

निर्माण को लेकर सरकार की सोच मानी जा रही है। अब सवाल यह उठता है कि जिस तरह से शिक्षा विभाग में शिक्षकों की उपस्थिति ऑनलाईन एप्प के माध्यम से ठीक 10 बजे प्रातःकाल का निर्धारण किया गया। वहीं विद्यालय से सेवा देने के बाद समय भी तय हुआ। क्या इसी तरह अन्य विभागों में भी सरकार के माध्यम से ऑनलाईन

उपस्थिति हर कार्यालय में संबंधित कर्मचारी को लेकर लागू किया जायेगा। तथा कितने समय कितने घंटे संबंधित कर्मचारी के द्वारा अपने पदीय दायित्वों को लेकर सेवा प्रदान की जा रही है। जिससे आम जनता को निश्चित हो जायेगा संबंधित विभाग के कर्मचारी कार्यालयीन समय में अपने दायित्वों को लेकर हर समय शासकीय सेवा के दौरान मिल सकेगी। उदाहरण को लेकर हर कार्यालय चाहे वह राजस्व विभाग हो या फिर महिला बाल विकास या अन्य विभाग क्योंकि राज्य सरकार के अधीन जितने भी कार्यालय आते है या विभाग एक ही नियम का लागू करना जनहित में क्या निर्णय किया जाना लाजमी होगा ताकि आम जनता को समय पर संबंधित सभी विभागों की सेवायें मिल सके। जिससे शासन की जनहित की मंषा भी पूरी होगी। वहीं समस्त विभागों में एक जैसे नियम होने से एकरूपता को नकारा नहीं जा सकता। देखना यह है कि जनहित में सभी विभागों में इस तरह की प्रक्रिया सेवा देने को लेकर शासकीय विभागों में लागू की जाती है कि नहीं।

50 वर्ष बीतने के बाद भी पिपरिया खुर्द एवं मडिया राव के ग्रामीणों को नहीं मिली पक्की सड़क

मुख्यमंत्री सड़क योजना बनी रही नेताओं की जेब खर्च का साधन

अमानगंज। अमानगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत जिजगांव अंतर्गत दूरस्थ ग्राम मडिया राव एवं पिपरिया खुर्द के निवासी आवा गमन को लेकर भारी परेशान देखें जा रहे हैं परंतु आज दोनों ग्रामों को प्रधानमंत्री सड़क योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा जिसमें बरसात के दिनों में अभागवन पूर्ण रूप से बंद हो जाता है एवं बरसात भर के लिए दोनों ग्राम की जनता भारी मुसीबत का सामना करती देखी जा रही है अनेकों बार सांसद एवं विधायक को लिखित आवेदन पत्र देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका और ग्रामीण जनता नारकीय जीवन जीने को मजबूर बरसात के दिनों में यदि कोई बीमार होता है तो उसे चारपाई पर लेकर स्वास्थ्य केंद्र इलाज के लिए लाना पड़ता है विकास के दावे खोखले नजर आते हैं।

मुख्यमंत्री सड़क योजना में हुआ भारी भ्रष्टाचार - मुख्यमंत्री सड़क योजना में



ठेकेदार के द्वारा अधूरा कार्य छोड़कर पूर्णता लगाकर भारी भरकम राशि का भ्रष्टाचार किया गया है मुख्यमंत्री योजना में जिला के ठेकेदार संतोष गुप्ता को इस रोड का ठेका जिला प्रशासन द्वारा दिया गया था परंतु पेटी ठेकेदारों ने इस कार्य को लेकर राशि को ठिकाने लगाकर अधूरा कार्य छोड़कर भारी भरकम राशि का बंदर बाट कर भ्रष्टाचार अंजाम दिया गया पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था की अंतिम छोड़कर पर खड़े

व्यक्ति को शासन की हर योजना का लाभ मिलना चाहिए परंतु यहां तो पन्ना जिले के भ्रष्ट अफसर एवं नेताओं की जुगलबंदी से अधूरा कार्य छोड़कर पूरी राशि डकार गए दोनों ग्राम की जनता आवा गवन के लिए तरस रही है जिले के संवेदनशील कलेक्टर महोदय इन दोनों ग्रामों की जनता जटिल समस्या का समाधान करने की तत्काल कार्रवाई करें जिससे आम जनमानस का भरोसा प्रशासन पर बना रहे।

ग्राम बराहो में खूनी संघर्ष, एक की मौत, एक घायल



पवई। थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार को ग्राम बराहो में बराहो बब्बा के स्थान पर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हुआ है जिसमें एक व्यक्ति की मौत व एक व्यक्ति के घायल होने का मामला सामने आया है। एसडीओपी भावना सिंह दांगी के अनुसार पवई अस्पताल से सूचना मिली थी कि बराहो से एक मृत और एक घायल व्यक्ति आया है। जानकारी अनुसार धार्मिक स्थल बराहो बाबा के पास बौद्ध सौकी चौधरी उम 60 वर्ष एवं भरत सिंह पिता देवी सिंह उम 34 वर्ष के बीच अज्ञात कारणों के चलते विवाद हो गया जिसमें सौकी चौधरी उर्फ सौकी बाबा की मौत हो गई एवं भरत सिंह गंभीर रूप से घायल हैं। जिसका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई में प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया गया साथ ही थाना प्रभारी घटना स्थल पहुंचकर घटित हुई घटना की बारीकी से विवेचना कर रहे हैं। कारण अभी अज्ञात है यह घटना क्यों घटित हुई। और घटना का मूल कारण क्या है।

कांग्रेस पार्टी द्वारा विश्व आदिवासी दिवस पर सारंग धाम मंदिर में कार्यक्रम किया गया आयोजित, बुजुर्गों का किया सम्मान



पन्ना। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित किए गए पन्ना जिले में भी आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में तथा कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष अनीश खान की विशेष उपस्थिति में अहिरगवा ग्राम पंचायत अंतर्गत प्राचीन सारंग धाम मंदिर में कार्यक्रम आयोजित

किया गया। इस दौरान आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह द्वारा सभी बुजुर्गों का सम्मान किया गया तथा सभी से अपील की गई आप लोग हमारा सहयोग करें हम आपकी हर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। इस दौरान भारी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व जिला कांग्रेस



अध्यक्ष शिवजीत सिंह गुनौर के पूर्व प्रत्याशी जीवन लाल सिद्धार्थ, शशीकांत दिक्षित, डॉ केपी राजपूत संजय पटेल मार्टंद देव बुंदेला कदीर खान दीपक तिवारी स्वतंत्र अवस्थी सौरभ पटेरिया, श्रीमतीअस्था तिवारी श्रीमती विमला सिंगरौल चांदनी जाटों इरफान अरविंद सोनी वेदांत मिश्रा अवधेश यादव अभिषेक चौरसिया सरदार यादव

बुजेंद्र दुबे अजय बाजपेई सुरेश गोंड जीत तिवारी खज्जू राजा जनका बाई नीलू सिंह नवलोश सिंह जीवन सिंह किशोर सिंह पण्णू सिंह बबलू गोंड मुखिया सिंह घनश्याम सिंह रामू राजा रविंद्र सिंह निरपत सिंह प्रीतम कल्लू सिंह गुडू राजा सहित भारी संख्या में जिले भर से आदिवासी वर्ग के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

दस साल बाद फिर सजेगा नागपंचमी का उत्सव, चौरसिया समाज ने की बैठक

पन्ना। पन्ना नगर में पिछले करीब दस वर्षों से स्थगित नागपंचमी महोत्सव की परंपरा इस वर्ष एक बार फिर शुरू होने जा रही है। चौरसिया समाज के वरिष्ठजनों के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में नागपंचमी महोत्सव 2026 के आयोजन की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी सिलसिले में पन्ना नगर स्थित बेनीसागर के पास शनि मंदिर में समाज के वरिष्ठजनों एवं युवा वर्ग को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में समाजबंधु एकत्र हुए और नागपंचमी महोत्सव को पुनः शुरू करने पर चर्चा की गई। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों ने युवा वर्ग को आयोजन की जिम्मेदारी सौंपते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने की बात कही। साथ ही आयोजन की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित एवं सुनिश्चित करने के लिए पन्ना नगर चौरसिया समाज युवा मंडल की कार्यकारिणी का गठन किया गया। युवा मंडल के सदस्य वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में महोत्सव की तैयारियों



और व्यवस्थाओं को संभालेंगे। कार्यकारिणी में रवि चौरसिया को कार्यकारी अध्यक्ष, अंकित चौरसिया और जितेन्द्र चौरसिया को उपाध्यक्ष, आयुष चौरसिया को सचिव तथा राहुल चौरसिया को सह-सचिव बनाया गया है। चंद्रशेखर चौरसिया को कोषाध्यक्ष और मोहित चौरसिया को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। प्रकाश चौरसिया को मीडिया प्रभारी तथा पवन चौरसिया को सह-मीडिया प्रभारी बनाया गया है। वहीं ब्रजेश चौरसिया, हेमंत चौरसिया, जय चौरसिया, ओम चौरसिया, अरुण चौरसिया और बेटू चौरसिया को सक्रिय सदस्य बनाया गया है। समाजजनों का कहना है कि नागपंचमी महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि चौरसिया समाज की वर्षों पुरानी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। समाज के वरिष्ठों और युवाओं ने मिलकर इस परंपरा को पुनर्जीवित करने और नागपंचमी महोत्सव 2026 को भव्य एवं यादगार बनाने का संकल्प लिया है।

छतरपुर में अवैध शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 33 पेटी शराब और बोलेरो जब्त



छतरपुर। थाना कोतवाली पुलिस ने रात्रि पेट्रोलिंग के दौरान अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम हम्रा से 33 पेटी शराब जब्त की है। पुलिस के अनुसार जब्त शराब की कुल मात्रा करीब 306 लीटर है, जिसमें अंग्रेजी-देशी शराब और बीयर शामिल है। महोबा रोड ब्रिज के पास संदिग्ध बोलेरो वाहन को लिंक रोड से महोबा की ओर जाते हुए पुलिस टीम ने पीछा कर ग्राम हम्रा में रोककर तलाशी ली। वाहन से अवैध शराब मिलने पर बोलेरो समेत करीब 6 लाख रुपये की सामग्री जब्त की गई। मामले में फरार आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। उक्त कार्रवाही कोतवाली थाना प्रभारी सतीश सिंह एवं उनकी टीम द्वारा की गई है।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चोरों के हासले बुलंद, ग्रीन एवेन्यू कॉलोनी में फिर दिखे संदिग्ध



छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रीन एवेन्यू कॉलोनी में बीती रात एक बार फिर कुछ संदिग्ध लोगों के घूमने की जानकारी सामने आई है, जिन्हें कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होने का दावा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ग्रीन एवेन्यू कॉलोनी को चोरों द्वारा तीसरी बार निशाना बनाने की कोशिश की गई है। बताया जा रहा है कि घटना की सूचना मिलने के बाद करीब रात 1 बजे सिविल लाइन थाना पुलिस के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों का कहना है कि मौके पर पहुंचे कुछ पुलिसकर्मী सिविल ड्रेस में थे, जिसको लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाओं के बावजूद पूर्व में हुई वारदातों के खुलासे नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि रात्रि गश्त के बावजूद संदिग्धों की गतिविधियां जारी हैं। उनका कहना है कि पुलिस की सक्रियता बढ़ाने और गश्त व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता है। वहीं, पुलिस अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की गई है।लगातार हो रही घटनाओं को लेकर लोगों ने पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा से मामले का सज्ञान लेकर सिविल लाइन थाना क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की है। अब देखना होगा कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस संदिग्धों तक कब पहुंचती है और क्षेत्र में हो रही चोरी की वारदातों पर किस तरह अंकुश लगाया जाता है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई उपरांत दिव्यांग आवेदक को प्रदान की ट्राइसाइकिल छतरपुर। जिला पंचायत सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर मृणाल मीणा ने आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता और गंभीरता से सुना। जनसुनवाई समाप्त होने के उपरांत कलेक्टर मृणाल मीणा ने स्वयं द्वारका अहिरवार को ट्राइसाइकिल प्रदान की। ट्राइसाइकिल मिलने पर द्वारका अहिरवार के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। उन्होंने जिला प्रशासन की इस त्वरित पहल के लिए कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया।

छतरपुर , नौगांव, महाराजपुर, खजुराहो, लवकुशानगर, गोरिहार, बक्सवाहा की मौत, रात में साथ सो रहे थे दोनों

छतरपुर। जिले क्रे बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम अवधपुरा में घर के अंदर सो रहे भाई-बहन को सांप ने काट लिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान नेहा कुशवाहा (12) और उसके भाई जीतेन्द्र कुशवाहा (18), पिता मनका कुशवाहा के रूप में हुई है। नेहा कक्षा 6वीं की छात्रा थी। जानकारी के अनुसार, रात में दोनों भाई-बहन एक साथ सो रहे थे। इसी दौरान सांप ने दोनों के पैर में काट लिया। नेहा को सांप के काटने के बाद वह जाग गई, जिससे परिजनों को घटना की जानकारी हो गई और उसे तत्काल इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल छतरपुर



ग्राम पंचायत देरी में शासकीय गौचर भूमि पर अवैध कब्जे और उत्खनन से ग्रामीण परेशान, कलेक्टर से शिकायत



छतरपुर। जनपद पंचायत छतरपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत देरी के ग्रामीणों ने शासकीय गौचर भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे और अवैध उत्खनन के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने इस संबंध में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर भूमि को अतिशोध अतिक्रमण मुक्त कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

आवेदन पत्र में योगेन्द्र, सोनू, बृजेन्द्र, शगुन, महेश, दौलत सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत देरी स्थित 85 एकड़ शासकीय गौचर भूमि है, जो राजस्व रिकॉर्ड में मध्य प्रदेश शासन के नाम से दर्ज है। इस पूरी भूमि पर गांव के ही कुछ प्रभावशाली और अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है।

आराप ह 1क सबाधत लागा जेसीबी मशीनों के जरिए रात-दिन अवैध उत्खनन किया जा रहा है। अवैध उत्खनन के कारण गौचर भूमि पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे ग्रामीणों का वहां से आना-जाना पूरी तरह दूभर हो गया है। साथ ही इस अवैध गतिविधि से शासकीय राजस्व को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि विरोध करने पर आरोपी विवाद करने पर आमादा हो जाते हैं। कलेक्टर से गुहार लगाते हुए ग्रामीणों ने मांग की है कि 85 एकड़ शासकीय गौचर भूमि को तत्काल अवैध कब्जे से मुक्त कराया जाए और अवैध उत्खनन पर रोक लगाई जाए, ताकि ग्रामीणों के आवागमन का रास्ता सुगम हो सके और शासकीय संपत्ति की सुरक्षा की जा सके।

18 करोड़ की पैतृक जमीन हड़पने का आरोप, सरकारी जमीन पर अवैध प्लॉटिंग और फर्जी रजिस्ट्री की शिकायत



उन्हें नहीं दी गई। इसके अलावा पत्नी के गहने और अन्य संपत्ति हड़पने के भी आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने सरकारी बंध और नहर की जमीन पर कथित अवैध प्लॉटिंग किए जाने का भी आरोप लगाया है। आवेदन में एक ही प्लॉट की दो-दो रजिस्ट्रियों कराने और राजस्व विभाग की कार्रवाई के बावजूद कथित अतिक्रमण जारी रहने की बात कही गई है। शिकायत में पूर्व के प्रकरणों, जुर्माने और अन्य कथित अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया है।राजेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि संपत्ति विवाद के चलते उनके परिवार को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही हैं। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जमीन और रजिस्ट्रियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच करने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

छतरपुर। जिला कलेक्टर की जनसुनवाई में मंगलवार को पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद का मामला सामने आया। राजेंद्र राजपूत ने कलेक्टर को शिकायत देकर अपने बड़े भाई पुष्पेंद्र राजपूत, वंदना राजपूत, सचिन राजपूत सहित अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता ने करीब 18 करोड़ रुपये की पैतृक जमीन को कथित तौर पर फर्जी तरीके से अपने नाम कर बेचने का आरोप लगाया है। शिकायत में राजेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि पैतृक कृषि भूमि को उनके अधिकारों की अनदेखी करते हुए दस्तावेजों में हेरफेर कर बेच दिया गया। उनका दावा है कि जमीन की बिक्री से प्राप्त राशि

कराने और राजस्व विभाग की कार्रवाई के बावजूद कथित अतिक्रमण जारी रहने की बात कही गई है। शिकायत में पूर्व के प्रकरणों, जुर्माने और अन्य कथित अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया है।राजेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि संपत्ति विवाद के चलते उनके परिवार को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही हैं। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जमीन और रजिस्ट्रियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच करने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

ऑपरेशन विश्वास के तहत छतरपुर पुलिस की बड़ी सफलता: 276 गुम मोबाइल बरामद कर लौटाए

छतरपुर। जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष ऑपरेशन विश्वास अभियान के तहत छतरपुर पुलिस ने एक बार फिर आमजनों के चेहरे पर खुशी लौटाई है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटेल के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए जुलाई एवं अगस्त 2026 माह के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम और खोए हुए 276 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। बरामद किए गए इन स्मार्टफोनों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 41 लाख 40 हजार रुपये आंकी गई है, जिन्हें मुख्यालय एवं अनुविभाग स्तर पर संबंधित आवेदकों को सुपुर्द किया जा रहा है।छतरपुर पुलिस द्वारा निरंतर चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत वर्ष 2026 में



अब तक कुल 1,069 गुम मोबाइल फोन विभिन्न राज्यों एवं जिला स्तर पर तलाश कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस दिलाए जा चुके हैं। पुलिस की इस तत्परता से जिले

के सैकड़ों नागरिकों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है, साथ ही पुलिस के प्रति आमजन का भरोसा भी और अधिक मजबूत हुआ है। बरामद किए गए मोबाइलों में सेमसंग,

वनप्लस, लावा, मोटोरोला, नथिंग, रियलमी, विवो, ओपो जैसी नामी कंपनियों के स्मार्टफोन शामिल हैं। ये फोन छात्र-छात्राओं, किसानों, श्रमिकों, व्यवसायियों, कर्मचारियों एवं गृहणियों को सुपुर्द किए गए हैं।इस अवसर पर छतरपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में तत्काल निकटतम थाने में सूचना दर्ज कराएं। यदि किसी नागरिक का मोबाइल गुम हो गया है, तो बेहचान पत्र, मोबाइल की खरीद रसीद, बावें पहाचन या कवर की फोटो, गुम होने की तिथि व स्थान, वैकल्पिक संपर्क नंबर और नजदीकी थाने की शिकायत कॉपी के विवरण के साथ साइबर सेल या हेल्पलाइन न्हाट्सएप नंबर 94799991005 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित परिवारों को शासकीय योजनाओं का मिलेगा लाभ

जनविश्वास कार्यक्रम के तहत 12 अगस्त से 10 सितंबर तक लगेंगे शिविर

छतरपुर। केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत बांध निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। परियोजना से प्रभावित क्षेत्र में विस्थापन एवं पुनर्वास की प्रक्रिया भी निरंतर जारी है। प्रभावित परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और उनकी समस्याओं का मौके पर निराकरण करने के उद्देश्य से 12 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक जनविश्वास कार्यक्रम के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश पर केन-बेतवा परियोजना के विस्थापन से प्रभावित परिवारों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए जिला स्तर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों का संयुक्त दल

गठित किया गया है। संयुक्त दल में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जनपद पंचायत, कृषि, उद्योग, उद्यानिकी, मत्स्य, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, पशु चिकित्सा सेवाएं, श्रम, ई-गवर्नेंस, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत विभाग, मनरेगा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी तथा तहसीलदार बिजावर को शामिल किया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बिजावर संयुक्त दल के संयोजक रहेंगे। संयुक्त दल द्वारा आयोजित शिविरों में प्रभावित परिवारों की पात्रता के अनुसार संबंधित विभागों की शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पात्र हितवाहियों की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने के लिए विभागीय अधिकारियों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रभावित परिवारों के स्वास्थ्य परीक्षण के भी निर्देश विस्थापन से प्रभावित परिवारों को स्वास्थ्य विभाग की

योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ ही उनके स्वास्थ्य परीक्षण के लिए भी विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रभावित परिवारों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं पात्र हितवाहियों को विभागीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जन्मतिथि प्रमाण के अभाव में भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित नहीं होंगे

कलेक्टर मृणाल मीणा ने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिए हैं कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित ऐसे व्यक्ति, जिनके पास जन्मतिथि से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं और इस कारण वे मुआवजे अथवा अन्य शासकीय लाभ से वंचित हो रहे हैं, उनकी आवश्यक जांच कराई जाए।

सर्पदंश से बेटे की मौत, एक साल से आर्थिक सहायता के लिए कलेक्ट्रेट के चक्कर लगा रहा पिता स्वीकृत 4 लाख रुपये की सहायता राशि अब तक खाते में नहीं पहुंची, जनसुनवाई में कलेक्टर से लगाई गुहार

छतरपुर। सर्पदंश से पुत्र की मौत के बाद शासन से स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि नहीं मिलने से परेशान पिता पिछले करीब एक साल से कलेक्ट्रेट के चक्कर लगा रहा है। मंगलवार को जमा डरगुवा, तहसील सटई निवासी मनोज रैकवार ने कलेक्टर की जनसुनवाई में आवेदन देकर सहायता राशि दिलाने की मांग की। मनोज रैकवार ने बताया कि उसके पुत्र कमल रैकवार की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई थी। घटना के बाद तहसीलदार सटई द्वारा प्रकरण में 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज और बैंक खाते की जानकारी भी संबंधित कार्यालय में जमा कराई गई, लेकिन लंबे समय बाद भी राशि उसके खाते में जमा नहीं हुई।आवेदक के अनुसार, वह कई बार कलेक्ट्रेट स्थित आपदा प्रबंधन कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी से संपर्क कर चुका है। उसका आरोप है कि उसे एक मोबाइल नंबर देकर राशि के संबंध में उक्त नंबर पर संपर्क करने के लिए कहा गया। इसके बावजूद अब तक उसे स्वीकृत सहायता राशि नहीं मिल सकी है।मनोज ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और बेटे की मौत के बाद शासन से मिलने वाली सहायता राशि उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। करीब एक वर्ष से कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद मंगलवार को उसने कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचकर मामले की जांच कराने और स्वीकृत 4 लाख रुपये की राशि जल्द से जल्द उसके बैंक खाते में जमा कराने की गुहार लगाई है।



हम्रा गांव की महिलाओं ने कलेक्टर जनसुनवाई में किया हंगामा, सरपंच-सचिव पर लगाए गंभीर आरोप

छतरपुर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में ग्राम पंचायत हम्रा की दर्जनों महिलाएं अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचीं। महिलाओं का आरोप है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ वास्तविक पात्र एवं गरीब परिवारों को न देकर दबंगों और संपन्न लोगों को दिया जा रहा है। जनसुनवाई में सौंपे गए आवेदन पत्र में ग्राम हम्रा निवासी प्रेम अहिरवार पत्नि गौरीशंकर अहिरवार सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वे अत्यंत गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं और मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। कई बार गांव के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक से हाथ जोड़कर पीएम आवास योजना में नाम जुड़वाने की गुहार लगाई गई, लेकिन हर बार उनकी मांग को अनसुना कर दिया गया।



पीडित महिलाओं का आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधियों और रोजगार सहायक की साठगांठ से योजना का लाभ ऐसे संपन्न परिवारों को दिया गया है, जिनके पास पहले से ही पक्के मकान और मोटरसाइकिलें मौजूद हैं। जबकि वास्तविक जरूरतमंद और गरीब परिवार आज भी कच्चे तथा

जरजर मकानों में रहने को मजबूर हैं। जनसुनवाई में पहुंची महिलाओं ने कलेक्टर से निष्पक्ष जांच कराकर सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पात्र गरीब परिवारों का नाम पीएम आवास सूची में शामिल कर उन्हें योजना का लाभ दिलाए जाने की पुरजोर मांग की है।

समस्याओं से त्रस्त ग्राम टटम के निवासियों ने खोला मोर्चा

स्वतंत्रता दिवस पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति के लिए अधिकारियों को दिया आवेदन छतरपुर। महाराजपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम टटम के निवासियों और बच्चों ने अपनी मूलभूत जनसमस्याओं का समाधान न होने पर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने एकत्रित होकर कलेक्टर और एसपी कार्यालय पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों को आवेदन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से जिलाधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एसडीएम और तहसीलदार को आवेदन देकर अपनी समस्याओं से अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकाला गया है। सौंपे गए आवेदन पत्र में ग्रामीणों ने अपनी प्रमुख समस्याओं का उल्लेख किया है, जिनमें ग्राम टटम से मड़ापुरवा तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क का निर्माण न होना, ग्राम टटम के टपरन



पुरवा में पुलिया का निर्माण न कराया जाना तथा ग्राम टटम के वार्ड क्रमांक 20 में 24 घंटे निर्बाध बिजली की उपलब्धता न होना शामिल है। बिजली की समुचित व्यवस्था न होने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, जिससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। वर्षों से लगातार उपेक्षा झेल रहे ग्रामीणों का कहना है कि देश को आजाद हुए आठ दशक बीतने जा रहे हैं, लेकिन आजाद भारत में भी उनकी बुनियादी समस्याओं का निराकरण शासन-प्रशासन द्वारा नहीं किया जा पा रहा है। इसी के विरोध स्वरूप ग्रामवासियों ने

आगामी 15 अगस्त 26 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत टटम परिसर के बाहर सुबह 9:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों ने इस प्रदर्शन में सैकड़ों लोगों के शामिल होने की संभावना जताई है और इसके लिए प्रशासन से विधिवत अनुमति तथा सहयोग की मांग की है। आवेदन देने आए ग्रामीणों में रवि अहिरवार, खेमचन्द्र, रामकुमार साहू, रमेश रैकवार, जयपाल, पप्पू, गुलाब, म्यासीलाल, शंकर, राजेन्द्र सहित अनेक बच्चे एवं ग्रामीण शामिल रहे।



विश्व आदिवासी दिवस पर विशाल रैली और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ समाज की मांगों को लेकर गूंजी आवाज

छतरपुर। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी खजुराहो में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गोंडवाना अधिकारी कर्मचारी संघ एवं प्रयास के संयुक्त तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी समृद्ध पारंपरिक संस्कृति, रीति-रिवाज और लोक परंपराओं की जीवंत प्रस्तुति दी।

पारंपरिक वेशभूषा में निकली विशाल रैली

कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशाल रैली का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के युवा, महिलाएं, बच्चे और वरिष्ठजन शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा, आभूषणों और तीर-कमान से सुसज्जित होकर श्रद्धालुओं और सांस्कृतिक कलाकारों ने पारंपरिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। शोषण के खिलाफ उठी आवाज, सामाजिक सुधार का दिया संदेश रैली एवं मंचीय कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समाज पर हो रहे अत्याचारों और जल, जंगल, जमीन पर अवैध कब्जों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई। इसके साथ ही समाज के वक्ताओं ने युवाओं को शिक्षित करने, नशा मुक्ति अपनाने और रोजगार के नए अवसर तलाशने का आह्वान किया।

शासन के समक्ष रखी गई प्रमुख मांगें

कार्यक्रम के दौरान मंच के माध्यम से राज्य शासन के समक्ष विभिन्न महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं। प्रभावितों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। छतरपुर जिले या खजुराहो में भगवान विरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापना हेतु स्थान आवंटित किया जाए तथा आदिवासी सांस्कृतिक भवन का निर्माण कराया जाए।





कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक पुलिस विभाग की तिरंगा रैली में हुए शामिल

रीवा । हर घर तिरंगा अभियान के तहत पुलिस विभाग द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरुकरण सिंह ने हठी झण्डी दिखाकर एसएफ मैदान से रैली को रवाना किया। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी राष्ट्र का गौरव तिरंगा लहराते हुए रैली में शामिल हुए। इनके साथ-साथ आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, एसडीएम डॉ. अनुराग तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक राजीव पाठक तथा अन्य पुलिस अधिकारी एवं एसएफ तथा पुलिस के जवान रैली में शामिल हुए। सत्री-धत्री जिप्सी में देशभक्ति के गीतो और नारों के साथ पुलिस जवानों ने नगर के प्रमुख मार्गों से रैली निकाली।

15 अगस्त तक देश की आजादी के क्रांतिवीरों की याद में ऐतिहासिक स्थलों पर हो रहे कार्यक्रम

रीवा । भारत छोड़ो आंदोलन की 84 वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर 9 अगस्त से लेकर स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त तक अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पावन स्मृति में पूरे सप्ताह देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि ऐसे अवसर पर घर घर तिरंगा अभियान चलाने समय देश को आजाद कराने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के महान योगदान का भी जिक्र होना चाहिए। स्वतंत्रता स्मारकों को नमन किया जाना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने जिन जेलों में रहकर कठोर यातनाएं उठाते हुए आजादी की लड़ाई को सफल बनाया ऐसे ऐतिहासिक स्थानों को स्वतंत्रता संग्राम स्मारक घोषित किया जाना चाहिए। श्री खरे ने कहा कि पूर्ण स्वराज की मांग तो कांग्रेस के 19 दिसंबर सन 1929 के लाहौर अधिवेशन में प्रस्ताव के रूप में पारित हो गई थी लेकिन उसे प्रमादी बनाने में महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुए 1942 के राष्ट्रीय आंदोलन में ऐतिहासिक और निर्णायक भूमिका अदा की जिसके चलते 15 अगस्त 1947 के दिन भारत को आजादी मिली। रीवा शहर में ऐतिहासिक जय स्तंभ, जनपद कार्यालय एवं रीवा केंद्रीय कारागार में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के शिलालेखों पर प्रशासनिक स्तर पर रात्रि कालीन विशेष रोशनी की व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके अलावा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम पर बने अन्य स्मारकों पर भी उचित व्यवस्था बनाना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र, लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने जानकारी दी कि रीवा जनपद स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शिलालेख पर बुधवार 12 अगस्त की शाम को नारी चेतना मंच, समता सम्पर्क अभियान, विध्याचल जन आंदोलन एवं समाजवादी कार्यकर्ता समूह की ओर से दीप प्रज्ज्वलित करते हुए अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के महान योगदान को याद किया जाएगा।

प्रमारी मंत्री रायपुर कर्चुलियान में आयोजित जन विरवास शिविर में होंगे शामिल

रीवा । आम जनता के आवेदन पत्रों का मौके पर निराकरण करने तथा शासन की योजनाओं की गानीटरिंग के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलया जा रहा है। अभियान के तहत रीवा जिले का दूसरा शिविर 14 अगस्त को विकासखण्ड मुख्यालय रायपुर कर्चुलियान में आयोजित किया जा रहा है। जिले के प्रमारी मंत्री प्रहलाद पटेल मंत्री ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि शासन की उच्च प्राथमिकता का मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 7 अगस्त से शुरू हो गया है। दूसरा शिविर रायपुर कर्चुलियान में आयोजित किया जा रहा है। इसमें चोरवाड़ी, रामनई, मकुछ, धेतला, बरहढी, बुडुवा, बरही, रायपुर कर्चुलियान, खीरा, पटला, पडहड्डि तथा बढकेरा ग्राम पंचायतें शामिल होंगी। इन ग्राम पंचायतों के सीएम हेतुलपलान, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी योजना में दर्ज आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि जिला और खण्ड स्तर के सभी अधिकारी शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। कलेक्टर ने कहा है कि अधिकारी शिविर में शामिल होने के साथ-साथ अधीनस्थ कार्यालयों, छात्रावास, अस्पताल, जेल मुख्य दुकान आदि का निरीक्षण भी करेंगे। शिविर का आयोजन सादगीपूर्ण रूप से करें।

रिश्वत के जाल में फंसे पीडब्ल्यूडी के प्रभारी मुख्य अभियंता, 50 हजार लेते लोकायुक्त ने किया गिरफ्तार

टेस्टिंग लैब का काम दिलाने के एवज में हर माह 1 लाख रुपए की थी मांग, 50 हजार की पहली किस्त के बाद दूसरी किस्त लेते रंगे हाथ पकड़े गए, सहयोगी भी गिरफ्तार

रीवा । लोक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए विभाग के प्रभारी मुख्य अभियंता को 50 हजार रुपए की रिश्तत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई सिविल लाइन कॉलोनी स्थित डी-17 शासकीय आवास में की गई। लोकायुक्त टीम ने प्रभारी मुख्य अभियंता कैलाश कुमार लच्छे के साथ उनके कथित अशासकीय सहयोगी धर्मवीर भारती को भी आरोपी बनाया है। दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई है। लोकायुक्त के अनुसार, कार्रवाई सतना की एक टेस्टिंग लैब के मैनेजर सोनू सिंह की शिकायत पर की गई। शिकायतकर्ता की फर्म लोक निर्माण विभाग के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच और टेस्टिंग से संबंधित कार्य करती है। आरोप है कि पीडब्लू के प्रभारी मुख्य अभियंता द्वारा विभागीय



निर्माण कार्यों की टेस्टिंग रिपोर्ट और काम दिलाने के एवज में शिकायतकर्ता से हर माह एक लाख रुपए रिश्तत की मांग की जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता सोनू सिंह ने 4 अगस्त को रीवा लोकायुक्त कार्यालय पहुंचकर प्रभारी मुख्य अभियंता कैलाश कुमार लच्छे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि विभागीय निर्माण कार्यों से संबंधित काम और टेस्टिंग रिपोर्ट के एवज में उनसे नियमित रूप से रिश्तत की मांग की जा रही है। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने

मामले का सत्यापन कराया। लोकायुक्त की जांच के दौरान सामने आया कि शिकायतकर्ता से रिश्तत की रकम एक लाख रुपए में तय हुई थी। इसमें से 50 हजार रुपए की पहली किस्त पहले ही लिए जाने का आरोप है, जबकि शेष 50 हजार रुपए मंगलवार को लेने की तैयारी थी। लोकायुक्त पुलिस ने शिकायतकर्ता को तय रकम के साथ आरोपी के शासकीय आवास पर भेजा। सिविल लाइन कॉलोनी स्थित डी-17 आवास में जैसे ही रिश्तत की दूसरी किस्त के रूप में 50 हजार रुपए दिए गए, पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने कार्रवाई

करते हुए प्रभारी मुख्य अभियंता कैलाश कुमार लच्छे को पकड़ लिया।लोकायुक्त एसपी ने की कार्रवाई की पुष्टिलोकायुक्त पुलिस अधीक्षक योगेश्वर शर्मा के अनुसार, टेस्टिंग लैब के मैनेजर सोनू सिंह की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में लोक निर्माण विभाग के प्रभारी मुख्य अभियंता द्वारा काम दिलाने के एवज में प्रतिमाह एक लाख रुपए रिश्तत मांगने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के सत्यापन में आरोप सही पाए जाने के बाद ट्रैप की कार्रवाई की गई।बॉक्स *अशासकीय सहयोगी की भी रही भूमिका*लोकायुक्त के मुताबिक, रिश्तत के इस पूरे लेन-देन में धर्मवीर भारती नामक व्यक्ति की भूमिका भी सामने आई है। आरोप है कि वह प्रभारी मुख्य अभियंता के अशासकीय सहयोगी के रूप में रिश्तत की रकम के लेन-देन में मदद कर रहा था। कार्रवाई के दौरान उसे भी पकड़कर मामले में सह आरोपी बनाया गया है।बॉक्स *मूल पद कार्यपालन यंत्री, प्रभारी मुख्य अभियंता की थी जिम्मेदारी*लोकायुक्त से मिली जानकारी के अनुसार, कैलाश कुमार लच्छे वर्तमान में लोक निर्माण विभाग संभाग में प्रभारी मुख्य अभियंता के रूप में पदस्थ हैं। उनका मूल पद कार्यपालन यंत्री बताया गया है। ट्रैप की कार्रवाई के बाद विभागीय स्तर पर भी इस मामले का असर देखने को मिल सकता है।



कलेक्ट्रेट में 388 आवेदन पत्रों में की गई सुनवाई

रीवा । कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुजरं तथा अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने आम जनता के 388 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई के आवेदन पत्रों पर तत्परता से कार्यवाही करें। आवेदन पत्रों का सात दिन में निराकरण करके पोर्टल पर प्रतिवेदन दर्ज कराएं। जन विश्वास अभियान में जनसुनवाई के आवेदन पत्रों के निराकरण की समीक्षा की जाती है। आवेदक को भी आवेदन पत्र में की गई कार्यवाही से अवगत कराएं। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर जितेन्द्र तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सुधीर श्वेत, डिप्टी कलेक्टर माइकल तिवारी, प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर अदिति जैन ने भी आम जनता के आवेदनों में सुनवाई की। जनसुनवाई में श्यामकली निवासी समान ने बिजली बिल में सुधार के लिए आवेदन दिया। अधीक्षण यंत्री ऊर्जा को आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए गए। पवन तिवारी तथा अन्य ग्रामीणजन ग्राम कटकी ने सड़क निर्माण के लिए आवेदन दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिरमौर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। रामाधर चौधरी निवासी पुष्कराज नगर रीवा ने आम रास्ता से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। तहसीलदार हुजूर नगर को मौके पर कार्यवाही करके अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। श्यामसुंदर साकेत निवासी जेपी नगर ने बिजली बिल में सुधार के संबंध में आवेदन दिया। अधीक्षण यंत्री ऊर्जा को आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए गए। शुक्वती पाण्डेय निवासी ग्राम खरपटा ने जमीन के खसरे में सुधार तथा अवैध रूप से की जा रही बिजों पर रोक के लिए आवेदन दिया। एसडीएम जवा को आवेदन में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में शीला शुक्ला निवासी ग्राम कंदेला ने सहकारी समिति कंदेला में फर्जी ऋण प्रकरण की जांच के लिए आवेदन दिया। उपयुक्त सहकारिता को मामले की जांच कर आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए गए। हरिशंकर श्रीवास्तव निवासी रीवा ने हटाए गए बिजली के पोल पुनः लगाने के लिए आवेदन दिया। अधीक्षण यंत्री ऊर्जा को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। रामकुमार कोल निवासी सुमनंद ने खसरे में

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सौपा ज्ञापन

मऊगंज। जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन मध्यप्रदेश (सीटू) के बैनर तले बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं। राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत उन्होंने मुख्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्री, प्रमुख सचिव और आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपकर आंगनबाड़ी कर्मियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की। यूनियन ने विशेष रूप से पोषण ट्रैकर और संपर्क ऐप से मानदेय को अलग रखने, संपर्क ऐप बंद करने और 3 से 6 वर्ष के बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश देने संबंधी आदेश निरस्त करने की मांग की।

यूनियन का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण ट्रैकर के साथ संपर्क ऐप पर भी एक ही तरह का काम करना पड़ रहा है। इससे काम का बोझ बढ़ गया है। कई ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के कारण ऐप पर काम दर्ज नहीं हो पाता। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि काम करने के बावजूद ऐप में एंट्री नहीं होने पर 7 से 15 दिन तक के मानदेय में कटौती कर दी जाती है। उन्होंने मानदेय को किसी भी ऐप की उपस्थिति या ऑनलाइन कार्य से नहीं जोड़ने की मांग की है।



मोबाइल की क्षमता कम, नेटवर्क की समस्या का भी मूद्दा
ज्ञापन में बताया गया कि विभाग की ओर से दिए गए मोबाइल में पर्याप्त क्षमता नहीं है। कई बार ऐप डाउनलोड या अपडेट नहीं हो पाता। ई-केवाईसी, फेस कैचर और फोटो अपलोड करने में भी परेशानी आती है। यूनियन ने मोबाइल की जगह टैबलेट या लैपटॉप उपलब्ध कराने और सरकारी सिम को चालू कर रिचार्ज की व्यवस्था करने की मांग की।कार्यकर्ताओं ने टेक होम राशन वितरण में फेस स्कैन और ओटीपी की प्रक्रिया को भी व्यवहारिक समस्या बताया।

उनका कहना है कि कई हितग्राहियों के पास मोबाइल नहीं है, आधार से लिंक नंबर उपलब्ध नहीं है या नेटवर्क नहीं होने से ओटीपी प्राप्त नहीं हो पाता। कई लोग बैंक खाते से पैसे निकलने की आशंका के चलते ओटीपी देने से भी डरते हैं। इससे पात्र हितग्राहियों को पोषण आहार मिलने में परेशानी हो सकती है।

3 से 6 वर्ष के बच्चों को स्कूल भेजने के आदेश का विरोध

यूनियन ने सरकारी स्कूलों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के प्रवेश के आदेश पर रोक लगाने

दो राष्ट्रीय खिताबों के साथ मेधा प्रतियोगिता में विंध्याचल का जलवा

मेधा प्रतियोगिता 2026 के राष्ट्रीय फाइनल में विंध्याचल का शानदार प्रदर्शन, दो टीमों ने रचा इतिहास

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल ने मेधा प्रतियोगिता 2026 के राष्ट्रीय फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरी राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल कर परियोजना का गौरव बढ़ाया। दिनांक 11 अगस्त 2026 को पावर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में विंध्याचल की सनियर कैटेगरी टीम के तमय्य वर्मा एवं हर्षित शर्मा तथा मिडिल कैटेगरी टीम के उत्कर्ष पारीक एवं दक्ष जैन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए



राष्ट्रीय विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इसी क्रम में जूनियर कैटेगरी में विंध्याचल की टीम के मास्टर रौनक राज एवं मास्टर श्रेयांश खांडे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय फाइनल में 5वां स्थान प्राप्त किया। विंध्याचल के इन युवा प्रतिभागियों की शानदार सफलता उनके ज्ञान, आत्मविश्वास, प्रतिभा एवं

प्रतिस्पर्धात्मक भावना का परिचायक है। यह उपलब्धि टाउनशिप के विद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान किए जा रहे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अनुकूल सीखने के वातावरण को भी दर्शाती है। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा को निरंतर प्रोत्साहित करने तथा उनमें उत्कृष्टता, आत्मविश्वास और

प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का यह उल्लेखनीय परिणाम है। युवा प्रतिभाओं की इस उपलब्धि ने न केवल विंध्याचल का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया, बल्कि परियोजना के प्रतिभा संवर्धन एवं उत्कृष्टता की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान की है।

हिंडालको महान में वलस्टर सीएसआर समीक्षा एवं रणनीति कार्यशाला का आयोजन

रेनुकूट, रेनूसागर और महान के सीएसआर प्रोफेशनल्स हुए शामिल, समुदाय की जीवन गुणवत्ता सुधारने और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रभावी परियोजनाओं पर हुआ मंथन

सिंगरौली। हिंडालको महान बरगैवा में हिंडालको क्लस्टर सीएसआर समीक्षा एवं रणनीति कार्यशाला 2026 का आयोजन किया गया। कार्यशाला में हिंडालको रेनुकूट, हिंडालको रेनूसागर और हिंडालको महान से जुड़े सीएसआर प्रोफेशनल्स ने सहभागिता की। कार्यशाला में सीएसआर गतिविधियों की समीक्षा के साथ समुदाय के जीवन की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा लोगों के आर्थिक स्तर में स्थायी सुधार लाने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करने पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न इकाइयों में संचालित सीएसआर परियोजनाओं के अनुभवों और सफल प्रयासों को साझा करना, बेहतर परियोजनाओं को एक-दूसरे से सीखते हुए आगे बढ़ाना तथा समुदाय की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप अधिक प्रभावी और परिणाम आधारित परियोजनाएं तैयार करना रहा। इस दौरान सीएसआर के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कौशल विकास और सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई।

रेनुकूट हिंडालको क्लस्टर के मानव संसाधन प्रमुख जसबीर सिंह ने विभिन्न इकाइयों के बीच आपसी अनुभव और विचार साझा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी एक इकाई में यदि



कोई परियोजना बेहतर परिणाम दे रही है तो उसके अनुभव को दूसरी इकाइयों के साथ साझा किया जाना चाहिए, ताकि सफल मॉडलों को व्यापक स्तर पर लागू किया जा सके। उन्होंने नए विचारों और बेहतर परियोजनाओं को मिलकर विकसित करने की आवश्यकता बताई।

कॉरपोरेट सीएसआर प्रमुख अभिजीत ने सीएसआर परियोजनाओं के नामकरण और कार्यप्रणाली में एकरूपता पर जोर देते हुए कहा कि अलग-अलग नामों में परियोजनाएं संचालित करने के बजाय एक समान उद्देश्य वाले कार्यों को “एक काम, एक नाम” की अवधारणा के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। इससे परियोजनाओं की पहचान मजबूत होगी, उनके परिणामों का आकलन आसान होगा और क्लस्टर स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सकेगा।

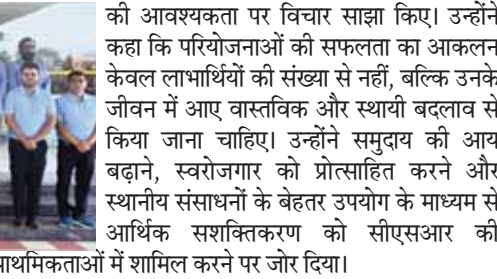
हिंडालको महान के इकाई प्रमुख लिनु पंचमन ने कहा कि सीएसआर का वास्तविक उद्देश्य केवल गतिविधियां संचालित करना नहीं, बल्कि समुदाय के जीवन में ऐसा सकारात्मक बदलाव लाना है जो लंबे समय तक दिखाई दे। उन्होंने परियोजनाओं में



स्थानीय जरूरतों, समुदाय की भागीदारी और उनके स्थायी प्रभाव को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। रेनुकूट के मानव संसाधन प्रमुख अजय सिन्हा ने सीएसआर परियोजनाओं में कौशल विकास और रोजगारपरक अवसरों को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल प्रशिक्षण देने के बजाय उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में परियोजनाओं को तैयार किया जाना चाहिए, ताकि प्रशिक्षण का वास्तविक आर्थिक लाभ समुदाय तक पहुंच सके।

हिंडालको महान के मानव संसाधन प्रमुख डॉ. विवेकानंद मिश्रा ने कहा कि सीएसआर परियोजनाओं को समुदाय की दीर्घकालिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में निरंतरता के साथ काम करने तथा परियोजनाओं के परिणामों का नियमित मूल्यांकन करने पर जोर दिया।

क्लस्टर सीएसआर प्रमुख अनिल झा ने सीएसआर परियोजनाओं को अधिक प्रभावी और परिणाम आधारित बनाने



प्राथमिकताओं में शामिल करने पर जोर दिया। कार्यशाला में विभिन्न इकाइयों के सीएसआर प्रोफेशनल्स ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों, सफल परियोजनाओं और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। हिंडालको महान के एच आर विभाग से रंजीत वत्स, प्रणव सोनी, इशांक अग्रवाल, उत्कर्ष, शामिल हुये वहीं सी.एस.आर.प्रोफेशनल्स टीम से जितुमोनी कलिता, सुभाष चक्रवर्ती, रामाकान्त शर्मा, प्रदीप सोनी, सविन सिंह, संजीव श्रीवास्तव, शिवम, संजय सिंह, धीरेंद्र तिवारी और बीरेंद्र पांडेय सहित अन्य सीएसआर प्रोफेशनल्स शामिल हुए। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे नीरज गुप्ता,ओ. पी. गेरुला का अहम योगदान रहा।

कार्यक्रम का सफल संचालन प्रगति जालान एवं शीतल श्रीवास्तव ने किया। कार्यशाला के दौरान विभिन्न इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय, अनुभवों के आदान-प्रदान और समुदाय के लिए अधिक प्रभावशाली एवं स्थायी परिणाम देने वाली सीएसआर परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में रणनीति पर मंथन किया गया।